भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
जनसंदेश टाइम्स
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 30.03.2019

सीआईएल दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक

व्याख्यान

बोले एके झा अध्यक्ष कोल इंडिया लिमिटेड

वाराणसी। हमारे पास 700 खानों से ऊपर हैं। हमारे पास भारतीय आवश्यकता के सौ वर्षों के लिए 315 बिलियन टन कोयला भंडार पर्याप्त है। सीआईएल दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है, हमारे देश की 84 आवश्यकताओं को इस कंपनी द्वारा ही पूरा किया जाता है।

यह बातें यह बातें मुख्य अतिथि अध्यक्ष, सीआईएल एके झा ने कही। वह आईआईटी बीएचयू में कोयला खनन-चुनौतियों और जिम्मेदारियों विषय पर सभा को संबोधित कर रहे थे। कोयला खनन एक निजी उद्योग था तब राष्ट्रीयकरण के बाद श्रमिकों की स्थिति दयनीय थी। कोल इंडिया स्टाक मार्केट में रु 15000 करोड़ है लेकिन इसे 15 गुना अधिक सदस्यता प्राप्त हुई। आरएंडडी को उतना महत्व नहीं मिल रहा है जितना मिलना चाहिए। आईआईटी बीएचयू को वास्तविक जीवन की समस्या को ले कर इस संबंध में एक महान भूमिका निभानी है। 2030 में 1300 मिलियन टन कोयले की जरूरत है। यूरिया को गैस और गैस को यूरिया में बदलकर यूरिया का उत्पादन किया जाना है। इस संबंध में एक परियोजना बनाई गई है। कोल बेड मीथेन जो विदेशों में एक सिद्ध तकनीक है, पायलट प्रोजेक्ट पर भी आजमाई जा रही है। वर्ष 2024-25 तक, 1 बिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य एक प्रतिभाशाली खनन टीम के बिनासंभव नहीं हो सकता है।

सीआईएल आईआईटी बीएचयू के साथ आरएंडडी में एंडोसमेंट को तैयार

इसलिए, सीआईएल आईआईटी बीएचयू को अपने आरएंडडी एंडोसमेंट में मदद करने के लिए तैयार है, लेकिन इंस्टीट्यूशन को भी इंडस्ट्री में काम करने के लिए करीब आना होगा। यह उद्योग और संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे उन व्यक्तियों की मदद करें जो अपने दो समय के भोजन को ठीक से प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। हमें एक ऐसा रूढ़िवादी सम्मेलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। जो हर शरीर को विकसित करे।

सोशल कॉरपोरेट जिम्मेदारी अपने सभी क्षेत्रों में ली जाएगी। एक मामले के रूप में, झरिया कोयला क्षेत्र में पुनर्वास के लिए एक मास्टर प्लान जो पिछले सौ वर्षों से चल रहा है। हम यह देखने के लिए एक अतिरिक्त मील जाएंगे कि आपके इंस्टीट्यूशंस को आपके सभी प्रयासों में सफलता की कामना करने वाले हमारे एड्स के साथ उच्चतम संभव स्तर तक जाना चाहिए। कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा हर साल 700 से अधिक जूनियर संस्थान प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया जाएगा।